पंजाब केसरी
WED,11 NOVEMBER 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

नौवीं कक्षा के लिए हिंदी और अंग्रेजी में होगी विज्ञान प्रैक्टिकल बुक

धर्मशाला, 10 नवम्बर (सुनील): हिमाचल प्रदेश के सरकारी और संबद्ध स्कूलों में पढ़ने वाले नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विज्ञान विषय की प्रैक्टिकल बुक को द्विभाषी यानी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करने का निर्णय लिया गया है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2027-28 से इस नए बदलाव को लागू करने का फैसला किया है।

बोर्ड का यह कदम छात्रों को भाषा की किसी भी प्रकार की बाधा से मुक्त कर प्रयोगात्मक और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने के उद्देश्य से उठाया गया है, जिससे विज्ञान के प्रैक्टिकल समझना अब और भी आसान होने जा रहा है। इस नई पुस्तक की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए धर्मशाला स्थित बोर्ड मुख्यालय में विज्ञान विषय के विशेषज्ञ अध्यापकों की एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रदेश भर से आए विशेषज्ञों ने नए पाठ्यक्रम के मुताबिक प्रयोगों का चयन करने, उनकी वैज्ञानिक प्रक्रिया को सरल बनाने और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री को शामिल करने के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया।

> वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय गतिविधि आधारित शिक्षा से जोड़ना बेहद जरूरी है। जब छात्र स्वयं प्रयोग करते हैं, तो वे जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को आसानी से समझ पाते हैं। नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए द्विभाषी प्रैक्टिकल बुक तैयार करने का उद्देश्य उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाना और विज्ञान के प्रति उनकी व्यावहारिक समझ को मजबूत करना है।
>
> – डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड



नौवीं में हिंदी-अंग्रेजी में होगी विज्ञान की प्रैक्टिकल किताब

Amar ujala Dt:11.11.2026

धर्मशाला। शैक्षणिक सत्र 2027-28 से नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों को विज्ञान विषय की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक उपलब्ध होगी। शिक्षा बोर्ड हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में यह पुस्तक तैयार करेगा। इससे विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रयोगों को समझने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने में मदद मिलेगी। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ)-2023 के अनुरूप सत्र 2027-28 से नौवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसी के तहत बोर्ड ने विज्ञान विषय की प्रायोगिक पुस्तक तैयार करने की पहल की है। ब्यूरो

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

हिंदी-अंग्रेजी में अब प्रैक्टिकल बुक

नए सत्र से बदलेगा पाठ्यक्रम, नौवीं कक्षा के छात्रों को मिलेगी राहत

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला



हिमाचल प्रदेश के सरकारी व संबद्ध स्कूलों में पढ़ने वाले नौंवी कक्षा के हजारों विद्यार्थियों के लिए विज्ञान के प्रैक्टिकल समझना अब और भी आसान होने जा रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा नौवीं के विज्ञान विषय की प्रायोगिक पुस्तक प्रैक्टिकल बुक को द्विभाषीय यानी हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ)-2023 के अनुरूप किए गए पाठ्यक्रम बदलावों के तहत बोर्ड ने यह कदम उठाया है, जिससे छात्रों को भाषा की किसी भी बाधा के बिना प्रयोगात्मक ज्ञान मिल सके। बोर्ड अध्यक्ष के अनुसार, प्रैक्टिकल बुक को दोनों भाषाओं में प्रकाशित करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विषयवस्तु को सहजता से समझने और प्रयोगों को बेहतर ढंग से सीखने का अवसर देना है। विज्ञान विषय में जब छात्र स्वयं प्रयोग करके देखते हैं, तो वे जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को आसानी से समझ पाते हैं।

- विज्ञान के प्रयोगों में भाषा की बाधा होगी दूर

कार्यशाला में मंथन स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि इस नई पुस्तक की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से धर्मशाला स्थित बोर्ड मुख्यालय में एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के विभिन्न विद्यालयों से आए विज्ञान विषय के विशेषज्ञ अध्यापकों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने नए पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रयोगों का चयन करने, उनकी वैज्ञानिक प्रक्रिया को सरल बनाने और पुस्तक में आवश्यक शैक्षणिक सामग्री को शामिल करने के विभिन्न पहलुओं पर गहन मंथन किया।

Dainik Jagran Dt. 11/11/2026

नौवीं कक्षा के लिए विज्ञान की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक होगी लागू : डा. राजेश

जागरण संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा नौवीं के विज्ञान विषय के लिए हिंदी और अंग्रेजी में प्रायोगिक पुस्तक लागू करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप तैयार की जा रही यह पुस्तक विद्यार्थियों को प्रयोगों को समझने और व्यावहारिक ज्ञान हासिल करने में मदद करेगी।



डा. राजेश शर्मा ● जागरण आर्काइव

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि कक्षा नौवीं के पाठ्यक्रम में बदलावों को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की सुविधा के लिए यह पहल की गई है। पुस्तक की रूपरेखा और सामग्री पर चर्चा के लिए पांच नवंबर, 2026 को बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के विज्ञान विशेषज्ञ अध्यापक शामिल हुए। कार्यशाला में पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रयोगों के चयन, उनकी प्रक्रिया और जरूरी शैक्षणिक सामग्री को पुस्तक में शामिल करने पर चर्चा हुई।

डा. शर्मा ने कहा कि द्विभाषीय पुस्तक का उद्देश्य विज्ञान को सरल और सहज बनाना है। इससे विद्यार्थी प्रयोगों की प्रक्रिया बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय प्रयोगात्मक और गतिविधि आधारित शिक्षा देना जरूरी है। प्रयोगों के माध्यम से वे वैज्ञानिक सिद्धांतों को करके और देखकर बेहतर समझ सकते हैं।

उन्होंने बताया कि बोर्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप पाठ्यक्रम और शिक्षण सामग्री विकसित करने के लिए प्रयासरत है।

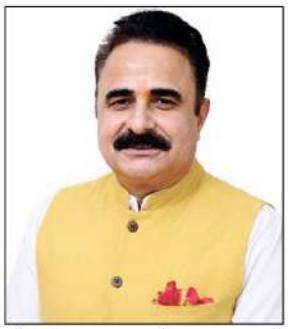
डिजिटल अखबार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नजर
आज की ताजा खबर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ
10 नवंबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा 9वीं के विज्ञान विषय की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक होगी तैयार : डॉ. राजेश शर्मा

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)-2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF)-2023 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा 9वीं के पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है। इसी के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विज्ञान विषय की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक (प्रैक्टिकल बुक) तैयार करने की पहल की गई है।

उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य से 5 नवंबर, 2026 को बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से विज्ञान विषय के विशेषज्ञ अध्यापकों को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ अध्यापकों ने कक्षा 9वीं के विज्ञान विषय की प्रायोगिक पुस्तक तैयार करने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया तथा पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रयोगों, उनकी प्रक्रिया एवं आवश्यक शैक्षणिक सामग्री को पुस्तक में शामिल करने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि विज्ञान विषय की प्रायोगिक पुस्तक को हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार करने का उद्देश्य विद्यार्थियों



को विषयवस्तु को सरलता से समझने तथा प्रयोगों को बेहतर ढंग से सीखने का अवसर प्रदान करना है। इससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में भी सहायता मिलेगी।

प्रयोगात्मक व गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करना आवश्यक

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उन्हें प्रयोगात्मक एवं गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है। विज्ञान विषय में प्रायोगिक ज्ञान की विशेष महत्ता है, क्योंकि इसके माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों को स्वयं प्रयोग करके समझ सकते हैं।

समय पर सामग्री उपलब्ध करवाने का प्रयास

डॉ. शर्मा ने बताया कि हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सामग्री को विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। बोर्ड का प्रयास है कि विद्यार्थियों को समयानुकूल, गुणवत्तापूर्ण एवं सरल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाई जाए, जिससे उनकी सीखने की क्षमता एवं विषय की व्यावहारिक समझ को और अधिक मजबूत किया जा सके।

शैक्षणिक सत्र 2027-28 से नौवीं के विज्ञान की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक होगी तैयार : डॉ. राजेश

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा नौवीं के विज्ञान विषय की द्विभाषीय प्रायोगिक पुस्तक तैयार करेगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किया जाएगा, ताकि विद्यार्थी प्रयोगों को आसानी से समझ सकें और व्यावहारिक ज्ञान हासिल कर सकें। इस संबंध में 5 नवंबर को बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से विज्ञान विषय के विशेषज्ञ अध्यापकों ने भाग लिया। कार्यशाला में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रयोगों, उनकी प्रक्रिया और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. शर्मा ने कहा कि विज्ञान विषय में प्रयोगात्मक शिक्षा का विशेष महत्व है। इससे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को स्वयं प्रयोग करके समझने का अवसर मिलेगा। बोर्ड का प्रयास विद्यार्थियों को सरल, गुणवत्तापूर्ण और समयानुकूल अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाना है।

Bhartendu shikhar Dt. 11/11/26

NOVEMBER 11, WEDNESDAY HIMACHAL PRADESH

The Sunny Times

HIMACHAL BOARD GOES HANDS-ON: CLASS 9 SCIENCE GETS A BILINGUAL LAB BOOK FROM 2027-28

The Sunny Times | Kangra | Sudha

Science students in Himachal Pradesh are about to get a practical book that speaks their language, in both Hindi and English. The Himachal Pradesh School Education Board is preparing a bilingual practical book for Class 9 science, set to arrive with the 2027-28 academic session, board chairman Dr. Rajesh Sharma announced.

The move comes as the Class 9 curriculum is being reworked to match the National Education Policy 2020 and the National Curriculum Framework 2023. To make sure students are not left struggling with the new material, the board decided the practical side of science needed its own dedicated guide.

The groundwork began on November 5, 2026, when the board's Dharamshala headquarters hosted a one-day workshop. Expert science teachers from schools across the state sat down to hash out what the book should contain, from the experiments themselves and how to carry them out, to the supporting material students will need along the way.

Dr. Sharma said the two-language approach is deliberate. Offering the book in Hindi and English, he explained, will help students grasp concepts more easily and learn experiments more effectively, while linking what they read in textbooks to what they actually do in the lab.

He also made a pointed case against rote learning. Keeping students confined to textbook knowledge, he said, no longer works in today's education system. Science, in particular, comes alive when students test ideas themselves, and activity-based learning lets them see scientific principles at work rather than just memorize them.

The board, Dr. Sharma added, is continuing to update its syllabus and study material in line with the national policy and framework. The goal is to put simple, quality, up-to-date resources in students' hands, strengthening both their ability to learn and their practical understanding of the subject.

